RNI No.: UPHIN/25/A1697
GARVI GUJARAT
गरवी गुजरात
गरवी गुजरात
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक
वर्ष : 01
अंक : 130
दि. 09.09.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा
EDITOR : ASHWANI KUMAR Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.
Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

'आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे', पीएम मोदी ने की यरुशलम में हुए आतंकी हमले की निंदा

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यरुशलम में निर्दोष नागरिकों पर हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि भारत आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करने की अपनी नीति पर अडिग है। उत्तरी यरुशलम में एक बस स्टॉप पर फलस्तीनी हमलावरों द्वारा की गई गोलीबारी में छह लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए।

इजरायली पुलिस, आपातकालीन बचाव सेवा और स्थानीय अस्पतालों के हवाले से यह जानकारी दी गई। पुलिस ने इसे हाल के वर्षों में शहर में हुए सबसे घातक आतंकवादी हमलों में से एक बताया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को पर कहा, "आज यरुशलम में निर्दोष नागरिकों पर हुए जघन्य आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करता हूं। हम मृतकों के परिजनों के प्रति अपनी

संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं।"

मोदी ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को टैग करते हुए एक पोस्ट में कहा, "भारत सभी तरह के आतंकवाद की निंदा करता है और आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की अपनी नीति पर दृढ़ है।"

कार से आए थे हमलावर

इजरायल की पुलिस ने बताया कि हमलावर कार से आए और उन्होंने रामोट जंक्शन के बस स्टॉप को निशाना बनाया। पुलिस ने यह भी बताया कि घटनास्थल पर मौजूद एक सुरक्षा अधिकारी और एक आम नागरिक ने हमलावरों को मार गिराया। गाजा में युद्ध के बाद से इजरायल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक और इजरायल दोनों जगह हिंसा बढ़ी है।

स्पेन ने कहा है कि कि पीड़ितों में एक स्पेनिश नागरिक भी शामिल है। स्पेन के साथ ही फ्रांस, यूरोपीय यूनियन और संयुक्त अरब अमीरात ने भी हिंसा की निंदा की है।

सहारनपुर पहुंचे सीएम योगी: आपदा पीड़ितों को दी 10 करोड़ की मदद; राहत सामग्री के ट्रकों को दिखाई हरी झंडी

सहारनपुर (जीएनएस)। सहारनपुर पहुचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश को पांच-पांच करोड़ की सहायता देने का ऐलान किया। उन्होंने पंजाब, हिमाचल और उत्तराखंड के लिए राहत सामग्री से भरे ट्रकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिले में नुकसान की भरपाई के लिए सर्वे के आदेश दिए गए हैं।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि लखनऊ ही नहीं, बल्कि पूरा सहारनपुर भी आपदा पीड़ितों के साथ खड़ा है।

सीएम योगी ने जिले में आई आपदा से हुए नुकसान का सर्वे कराने के निर्देश दिए और भरोसा दिलाया कि जल्द ही प्रभावितों को मुआवजा दिया जाएगा।

आपदा में जनहानि होने पर ₹4 लाख की राहत राशि उस पीड़ित परिवार को सरकार तत्काल उपलब्ध करवाती है।

बरसात के समय अगर कोई जंगली जानवर, हिंसक जानवर, कोई सांप, कोई बिच्छू, किसी व्यक्ति को काटता है, उसकी दुर्भाग्यपूर्ण मौत हो जाती है तो पीड़ित परिवार को ₹4 लाख का मुआवजा सरकार तत्काल उपलब्ध करवाने का कार्य करती है।

आपदा के कारण अगर किसी गरीब का मकान गिर गया है तो उसे नया आवास बनाने के लिए सरकार धन उपलब्ध करवाती

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने फिजियोथेरेपी के अभ्यास से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सराहना की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर फिजियोथेरेपी के अभ्यास से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सराहना की है। श्री मोदी ने कहा, "यह सराहनीय है कि वे गतिशीलता, गरिमा और जीवन की बेहतर गुणवत्ता सुनिश्चित करके लोगों, विशेष रूप से बुजुर्गों की भलाई में योगदान करते हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया: "विश्व फिजियोथेरेपी दिवस, फिजियोथेरेपी के अभ्यास से जुड़े सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करने का एक अवसर है। यह सराहनीय है कि वे किस प्रकार गतिशीलता, सम्मान और बेहतर जीवन स्तर सुनिश्चित करके लोगों, विशेषकर बुजुर्गों के कल्याण में अपना योगदान देते हैं।"

विश्व ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस

(जीएनएस)।

भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय का दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग हर साल 7 सितंबर को विश्व ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी दिवस मनाता है। इस वर्ष का विषय था "परिवार: देखभाल का केंद्र।"

ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) एक दुर्लभ और क्रमिक रूप से बढ़ने वाली बीमारी है, जो मांसपेशियों को धीरे-धीरे कमजोर कर देता है। यह मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करता है और गतिशीलता, श्वास और हृदय की कार्यप्रणाली को धीरे-धीरे प्रभावित करता है। इस स्थिति से प्रभावित लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए समय पर हस्तक्षेप, जागरूकता, शिक्षा और सामाजिक समावेश आवश्यक है।

इस अवसर पर देश भर में विभाग के राष्ट्रीय संस्थानों और समग्र क्षेत्रीय केंद्रों (सीआरसी) द्वारा विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुनर्वास प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान (एसवीएनआई आर टी ए आर), कटक के फिजियोथेरेपी विभाग ने डीएमडी का शीघ्र पता लगाने और प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। राष्ट्रीय गतिमान दिव्यांगजन संस्थान (दिव्यांगजन), कोलकाता ने "परिवार: देखभाल का केंद्र" विषय पर एक विशेष वेबिनार का आयोजन किया। भारतीय सांकेतिक भाषा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (आईएसएलआरटीसी), नई दिल्ली ने समावेशिता, जागरूकता और आशा के संदेश फैलाने वाले एक वेबिनार का आयोजन किया।

सीआरसी जयपुर ने महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, जयपुर में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। सीआरसी त्रिपुरा ने बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन, दुगार्बाड़ी चाय बागान, पश्चिमी त्रिपुरा में डीएमडी पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। सीआरसी नेल्लोर और सीआरसी राजनांदगांव ने भी इस अवसर पर जागरूकता गतिविधियां आयोजित कीं।

इन सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी के बारे में जानकारी का प्रसार करना, समाज के विभिन्न वर्गों के बीच जागरूकता को बढ़ावा देना और प्रभावित परिवारों के लिए सहायता और देखभाल की भावना को बढ़ावा देना था।

एसएमएस अभियानों की अस्वीकृति से संबंधित मीडिया रिपोर्टों पर स्पष्टीकरण

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने महाराष्ट्र में एक राजनैतिक दल के कार्यकताओं को अभियान के संबंध में एसएमएस भेजने के आवेदन को अस्वीकार करने से जुड़ी मीडिया रिपोर्टों का स्वतः सज्ञान लिया है। ट्राई ऐसे व्यक्तिगत एसएमएस अभियानों को स्वीकार या अस्वीकार करने में अपनी किसी भी भूमिका से स्पष्ट रूप से इनकार करता है। एसएमएस संदेश टेम्पलेट्स को स्वीकृत या अस्वीकार करने का कार्य दूरसंचार सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) द्वारा किया जाता है। ट्राई व्यक्तिगत एसएमएस अभियानों की स्वीकृति या अस्वीकृति में शामिल नहीं है। ये कार्य दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा दूरसंचार वाणिज्यिक संचार उपभोक्ता वरीयता विनियम (टीसीसीसीपीआर) 2018 के तहत निर्धारित रूपरेखा के अनुसार किए जाते हैं।

राष्ट्रपति ने ईईपीसी इंडिया के प्लेटिनम जयंती समारोह में भाग लिया

देश को एक अग्रणी नवाचार अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लें: राष्ट्रपति मुर्मु ने ईईपीसी हितधारकों से कहा

(जीएनएस)।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु आज (8 सितंबर, 2025) नई दिल्ली में इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) भारत के प्लेटिनम जयंती समारोह में शामिल हुईं।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कहा कि प्राचीन काल में भारत ने अध्यात्म और व्यापार दोनों में विश्व का नेतृत्व किया था। भारत को एक बार फिर ज्ञान और व्यापार का अग्रणी केंद्र बनाना सभी नागरिकों का संकल्प होना चाहिए। आर्थिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण हितधारक होने के नाते ईईपीसी को यह संकल्प दृढ़तापूर्वक लेना चाहिए।

राष्ट्रपति ने इस बात पर खुशी जताई कि पिछले 10 वर्षों में भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से भी अधिक हो गया है। उन्होंने कहा कि निर्यात में यह वृद्धि तब और भी प्रभावशाली लगती है, जब हम यह देखते हैं कि पिछले दशक के दौरान अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में कई चुनौतियां रही हैं। उन्होंने इस उपलब्धि में योगदान के लिए ईईपीसी की सराहना की।

राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी अंतर्राष्ट्रीय बाजार और भारतीय उत्पादकों के बीच एक सेतु का काम करता है। उन्होंने ईईपीसी से वैश्विक मूल्य श्रृंखला में भारत और भारतीय उद्यमियों की भूमिका का निरंतर विस्तार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विश्व व्यापार व्यवस्था और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था में हो रहे बदलावों के कारण इसकी भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है।

राष्ट्रपति ने कहा कि वैश्विक व्यापार की चुनौतियों को हमारे देश में उपलब्ध असाधारण क्षमताओं का उपयोग करके अवसरों में बदलने की आवश्यकता है। पिछले सात दशकों में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात में उल्लेखनीय परिवर्तन आया है।

ईईपीसी को परिवर्तन की इस प्रक्रिया को जारी रखना चाहिए और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को निरंतर मजबूत बनाने के लिए कार्य करते रहना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि कम लागत पर उच्च-गुणवत्ता वाली इंजीनियरिंग सेवाएं और उत्पाद भारत की एक बड़ी ताकत हैं। दुनिया की सबसे बड़ी कंपनियों के वैश्विक क्षमता केंद्र भारत में हैं। ईईपीसी जैसे हितधारकों को उचित प्रोत्साहन और एक इको-सिस्टम प्रदान करके भारत को एक वैश्विक नवाचार केंद्र बनाने के विचार के साथ आगे बढ़ना चाहिए। वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार के विशेषज्ञ नवाचार अर्थव्यवस्थाओं और कैच-अप अर्थव्यवस्थाओं पर चर्चा करते हैं। नवाचार अर्थव्यवस्थाएं दुनिया की सबसे प्रतिस्पर्धी और समृद्ध अर्थव्यवस्थाएं हैं। उन्होंने ईईपीसी के सभी हितधारकों से आग्रह किया कि वे हमारे देश में उपलब्ध प्रतिभा और ऊर्जा के लिए एक सक्षम इको-सिस्टम प्रदान करके भारत को एक अग्रणी नवाचार अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लें।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सम्मेलन 2025 का उद्घाटन किया, वैश्विक प्रगति के लिए अंतरिक्ष का उपयोग करने का आह्वान किया

- भारत ने महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष लक्ष्य निर्धारित किए: 2040 तक चंद्र मिशन, 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन
- डॉ. सिंह ने भारत के अंतरिक्ष सुधारों की रीढ़ के रूप में 300 से अधिक स्टार्टअप पर प्रकाश डाला
- डॉ. जितेंद्र सिंह ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए वैश्विक सहयोग पर जोर दिया

(जीएनएस)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने आज कहा कि भारत अपनी अंतरिक्ष यात्रा में एक परिवर्तनकारी चरण में प्रवेश कर रहा है। उन्होंने कहा कि इसमें 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन से लेकर 2040 तक चंद्रमा पर एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को उतारने जैसे महत्वाकांक्षी लक्ष्य शामिल हैं। वे "वैश्विक प्रगति के लिए अंतरिक्ष का उपयोग: नवाचार, नीति और विकास" के विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष सम्मेलन 2025 के उद्घाटन सत्र को वर्चुअल माध्यम से संबोधित कर रहे थे।

हाल की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. सिंह ने चंद्रयान-3 की सफलता का जिक्र किया, जिसने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने वाला पहला देश बनकर भारत को अग्रणी अंतरिक्ष यात्री देशों में शामिल कर दिया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले पहले भारतीय वायु सेना अधिकारी, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की उपलब्धियों के बारे में भी बताया और मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम गगनयान के साथ-साथ मंगल, शुक्र और क्षुद्रग्रहों पर भारत के आगामी अन्वेषण अभियानों की भी चर्चा की।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में शुरू किए गए सुधारों की भूमिका पर जोर दिया, जिन्होंने इस क्षेत्र को निजी भागीदारी, स्टार्टअप और शिक्षा जगत के लिए खोल दिया है। वर्तमान में प्रक्षेपण यान, उपग्रह और भू-प्रणाली जैसे क्षेत्रों में 300 से ज्यादा स्टार्टअप सक्रिय हैं। उन्होंने कहा कि इससे न केवल नवाचार को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि युवा पेशेवरों के लिए रोजगार, निवेश और अवसर भी पैदा हो रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष का असली मूल्य कृषि और स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा, शहरी विकास और शासन तक रोजमर्रा की जिंदगी में इसके उपयोग में निहित है।

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री हंसराज अहीर ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की

(जीएनएस)।

गांधीनगर, 08 सितंबर : राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री हंसराज अहीर ने सोमवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार समीक्षा बैठक के लिए अहमदाबाद आए हैं। श्री अहीर ने आयोग की सचिव श्रीमती मीता राजीवलोचन तथा अधिकारियों को साथ रखकर राज्य के सामान्य प्रशासन विभाग की अपर मुख्य विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की।

आयोग अध्यक्ष श्री हंसराज अहीर ने अपनी अहमदाबाद यात्रा के दौरान आयोग के सदस्य श्री भुवन भूषण

भेंट की।

श्री अहीर गुजरात में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को मिलने वाले लाभों तथा आरक्षण के क्रियान्वयन से संबंधित सचिव श्रीमती सुनयना तोमर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के प्रधान सचिव श्री मोहम्मद शाहिद, आईजीपी सुश्री गगनदीप गंभीर तथा सम्बद्ध कमल के साथ सोमवार शाम गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से मुलाकात की।

प्रधानमंत्री ने एशिया कप 2025 में शानदार जीत के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम को बधाई दी

प्रविष्टि तिथि: 08 रएढ 2025 7:20अट ु८ ढक्ह ऊै

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बिहार के राजगीर में आयोजित पुरुष हॉकी एशिया कप 2025 जीतने पर भारतीय टीम को बधाई दी है। श्री मोदी ने कहा

कि यह जीत और भी खास है क्योंकि भारतीय टीम ने गत विजेता दक्षिण कोरिया को हराया है।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा:

"बिहार के राजगीर में आयोजित एशिया कप 2025 में शानदार जीत के लिए हमारी पुरुष हॉकी टीम को बधाई।

सम्पादकीय

ट्रंप के टैरिफ हमले से यूएस के मित्र देश ज्यादा परेशान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकर्ारी आदेश जारी किया है, जिसके तहत सोमवार यानि 8 सितम्बर से उन व्यापारिक साझेदार देशों को टैरिफ की छूट दी जाएगी जो अमेरिका के साथ औद्योगिक निर्यात पर समझौते करेंगे। इस छूट का फायदा विशेष रूप से अहम वस्तुओं जैसे निकेल, सोना, फार्मास्यूटिकल कम्पाउण्ड और केमिकल्स पर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य वैश्विक व्यापार व्यवस्था को पुनर्गठित करना, अमेरिकी व्यापार घाटे को कम करना और व्यापारिक साझेदारों को अधिक सौदेबाजी के लिए प्रेरित करना है। दरअसल ट्रंप प्रशासन के इस आदेश के तहत 45 से अधिक वस्तुओं की श्रेणियां शामिल की गईं हैं, जिन पर एलाइंड पार्टनर्स को शून्य आयात टैरिफ मिलेगा। ये साझेदार वे देश होंगे, जो अमेरिका के साथ प्रेमवर्व समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे और ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए जवाबी टैरिफ शुल्कों को कम करने का वादा करेंगे। यह कदम जापान, यूरोपीय संघ सहित अमेरिका के मौजूदा गठबंधन देशों के साथ किए गए समझौते के अनुरूप भी है। ये छूट सोमवार रात 12 बजे से लागू हो जाएगी। सच तो यह है कि डपोरशंखी ट्रंप ने इतनी बड़ी लकीर पहले ही खींच दी कि अब जबकि मित्र देश आक्रोश और नाराजगी व्यक्त करने लगे तो अमेरिकी राष्ट्रपति को इस बात का एहसास हुआ कि उन्होंने टैरिफ लगालगाकर अपने सारे परम्परागत सहयोगी देशों को दूर कर दिया। ट्रंप को जब तक अपनी अज्ञानता का बोध हुआ तब तक बहुत विलम्ब हो चुका था। यूरोपीय यूनियन, साउथ कोरिया, जापान और आस्ट्रेलिया जैसे देश भी ट्रंप के इस टैरिफ हमले से तमतमाए हैं जबकि कनाडा ने तो अपने रास्ते ही अलग कर लिया। ब्रिटेन भी ट्रंप से कोई उम्मीद नहीं रखता। ट्रंप इन दिनों जितना ही अपने मित्र देशों की वस्तुओं पर टैरिफ हमले कर रहे हैं, उतना ही उनके देश के ग्राहक परेशान हो रहे हैं। महंगाई आसमान छू रही है तो मुद्रास्फीति विकासदर चट कर रही है। 2025 में अमेरिका की विकासदर लगभग 1.6 प्रतिशत से 1.9 प्रतिशत रहने की उम्मीद थी जो आर्थिक सहयोग और विकास संगठन यानि ओईसीडी के पूवार्नुमानों पर आधारित है। किन्तु टैरिफ की ऐसी सनक लगी ट्रंप को अब यह विकासदर ही संकट में पड़ गई। ट्रंप की समझ में यह सामान्य बात नहीं आ रही है कि जब किसी वस्तु पर टैरिफ लगेगा तो वह महंगा हो जाएगा। ऐसी स्थिति में अमेरिकी उपभोक्ता उस वस्तु को खरीदने से बचेंगे। इस तरह तो खर्च करने की क्षमता प्रभावित होने से मंदी की मार अर्थव्यवस्था को ही झेलना पड़ेगा। ट्रंप जिस भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत बताकर अपनी खीझ उतार रहे थे वह 7.8 प्रतिशत है यानि 7 गुना अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विकास दर से ज्यादा है। बहरहाल लग रहा है कि अब ट्रंप को मंदी की आहट सुनाई पड़ने लगी है, इसीलिए उन्होंने अब नई कवायद शुरू कर दी है।

वैश्विक खाद्य सुरक्षा को लेकर नई दिल्ली में 'डायलॉगनेक्स्ट' सम्मेलन का आयोजन

देशभर से आए वरिष्ठ नीति निमार्ता, विशेषज्ञ, वैज्ञानिक व किसान गहन चर्चा और भावी रणनीतियों को लेकर एकत्रित

(जीएनएस)।

वैश्विक खाद्य सुरक्षा को लेकर नई दिल्ली में 8-9 सिंतबर, 2025 तक दो दिवसीय 'डायलॉगनेक्स्ट' सम्मेलन का आयोजन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कन्वेंशन सेंटर में किया गया। आज सम्मेलन के पहले दिन देश भर से जुटे वरिष्ठ नीति निमार्ताओं और विशेषज्ञों ने वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने को लेकर गहन चिंतन-मंथन किया। इस दो दिवसीय उच्च स्तरीय कार्यक्रम का उद्देश्य विश्व के खाद्य भविष्य को सुरक्षित करने हेतु महत्वपूर्ण नवाचारों की खोज करना और उन्हें गति प्रदान करना है।

वर्ल्ड फूड प्राइज फाउंडेशन द्वारा सीआईएमएमआईटी, बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया (बीआईएसए) तथा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के साथ साझेदारी में इस सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस वर्ष भी सम्मेलन का विषय पिछले वर्ष

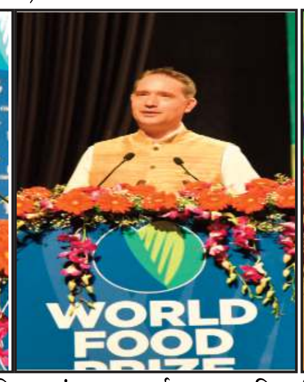

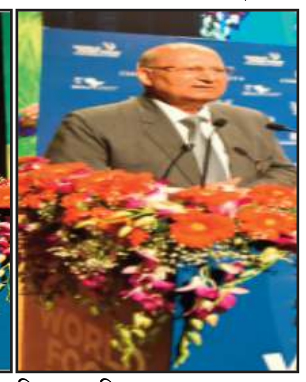

मेक्सिको में आयोजित डायलॉगनेक्स्ट के अनुरूप ही किसान उन्मुख है। इस वर्ष डायलॉगनेक्स्ट की थीम है- "इसे किसान तक ले चलो"। इस सम्मेलन द्वारा वैश्विक दक्षिण में परिवर्तनकारी कृषि समाधानों की किसानों तक पहुँच सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास किया जाएगा।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के महानिदेशक डॉ. मांगी लाल जाट ने इस अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि "उभरते वैश्विक मेगाट्रेंड कृषि-खाद्य प्रणालियों के लिए जटिल चुनौतियाँ पेश कर रहे हैं, जिनके लिए छोटे किसानों को केन्द्र में रखकर, व्यवस्थित समाधानों और उनके त्वरित क्रियान्वयन की आवश्यकता है।" उन्होंने कहा कि इसके लिए अत्याधुनिक विज्ञान, नवाचारों एवं खोज से लेकर वितरण तक की साझेदारियों में अधिक निवेश की आवश्यकता है। चूँकि भारत में कृषि परिवर्तन तीव्र गति से हो रहा है, ऐसी स्थिति में यह देश, वैश्विक दक्षिण के लिए लघु कृषि नवाचार के केन्द्र के रूप में कार्य कर सकता है।

सम्मेलन में श्री निकोल प्रेंगर, वरिष्ठ निदेशक, वैश्विक कार्यक्रम तथा रणनीतिक संचार, वर्ल्ड फूड प्राइज फाउंडेशन ने कहा कि डॉ. नॉर्मन बोरलॉग द्वारा भारत को अर्ध-बौने गेहूँ की खेती शुरू करने में मदद करने तथा एक दशक से भी कम समय में उत्पादन दोगुना करने के साथ-साथ संभावित अकाल की स्थिति को टालने के 60 साल बाद, भारत में इस सम्मेलन का आयोजन एक सम्मान की बात है। उन्होंने आगे कहा कि डायलॉगनेक्स्ट को आने वाले दशकों में बढ़ती वैश्विक आबादी को स्थायी रूप से भोजन उपलब्ध कराने हेतु 'मूनशॉट' प्रयास के कार्य-योजना को गति देने के लिए डिजाइन किया गया था।

इस सम्मेलन के लिए एशिया, यूरोप और अमेरिका के वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, वैज्ञानिक और कृषि नेता जिनमें श्री थिनले नामग्याल, सचिव, कृषि और पशुधन मंत्रालय, भूटान, श्री गोविंदा प्रसाद शर्मा, सचिव, कृषि और पशुधन विकास मंत्रालय, नेपाल, श्री मैक्सिमो टोरेरो कुलेन, मुख्य अर्थशास्त्री, खाद्य एवं कृषि संगठन, संयुक्त राष्ट्र भागीदारी के लिए आए हैं। साथ ही लोवा से अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल जिसमें शामिल श्री किम रेनॉल्ड्स, गवर्नर, माननीय माइक नाइग, कृषि सचिव एवं ब्रेंट जॉनसन, अध्यक्ष, लोवा फार्म ब्यूरो फेडरेशन ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की हैं।

प्रमुख सत्रों में किसान-केन्द्रित नवाचार, लघु-उत्पादक फसलों, दक्षिण-दक्षिण सहयोग, पोषण एवं खाद्य प्रणालियों, मूल्य श्रृंखलाओं तथा अगली पीढ़ी की कृषि सफलताओं जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

डायलॉगनेक्स्ट इन इंडिया, डॉ. नॉर्मन बोरलॉग, हरित क्रांति के जनक और नोबेल शांति पुरस्कार विजेता, की विरासत को पुनर्जीवित करने वाली त्रिभागीय वैश्विक श्रृंखला का दूसरा भाग है। ये संवाद 21-23 अक्टूबर, 2025 को डेस मोइनेस, लोवा में आयोजित होने वाले नॉर्मन ई. बोरलॉग अंतर्राष्ट्रीय संवाद की दिशा में गति प्रदान करेगा।

विशेष अभियान 4.0 की उपलब्धियां और विशेष अभियान 5.0 की तैयारी

(जीएनएस)।

भारत सरकार ने 2 से 31 अक्टूबर 2025 तक विशेष अभियान 5.0 शुरू करने की घोषणा की है, जिसका केन्द्र बिन्दु (फोकस) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के ई-कचरा प्रबंधन नियम वर्ष 2022 के अनुसार उत्पन्न ई-कचरे के निपटान, स्थान प्रबंधन और

क्षेत्र कार्यालयों के कार्य स्थल के अनुभव को बढ़ाने पर होगा।

2 अक्टूबर, 2024 से 31 अगस्त, 2025 तक आयोजित विशेष अभियान 4.0 ने स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता के लिए एक उच्च मानदंड स्थापित किया है। कोयला मंत्रालय के तत्वावधान में इस अभियान ने अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत सभी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और क्षेत्र कार्यालयों में प्रभावशाली परिणाम दिए।

विशेष अभियान 4.0 (2 अक्टूबर 2023 - 31 अक्टूबर 2024)

मंत्रालय ने विशेष अभियान 4.0 के दौरान, 78.46 लाख वर्ग फुट से अधिक के क्षेत्र को रिक्ँ त किया है और 9,865 मीट्रिक टन से अधिक स्क्रैप का निपटान किया गया, जिससे 38.27 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित हुआ।

प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) की रिपोर्ट के अनुसार, कोयला मंत्रालय के सभी मंत्रालयों/विभागों के बीच विशेष अभियान 4.0 के दौरान रिक्त और स्ँ वच्ँ छ करने की श्रेणी में प्रथम और अर्जित राजस्व में चौथे स्थान पर रहा। कोयला मंत्रालय ने जन शिकायतों और प्रधानमंत्री कार्यालय के संदर्भों का शत-प्रतिशत निपटान किया और निर्धारित लक्ष्य भी शत-प्रतिशत प्राप्त किया (71,632 फाइलों की समीक्षा की गई और 69,227 फाइलों का निराकरण किया गया)। मंत्रालय ने जन-सम्पर्क में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए 2163 ट्वीट, 1137 प्रेस विज्ञप्तियाँ और 61 पीआईबी वक्तव्य जारी किए, जिसमें व्यापक मीडिया कवरेज भी दिया। इस अभियान की पहलों और उपलब्धियों पर प्रभावी ढंग से प्रकाश डाला गया।

अभिनव पहल (विशेष अभियान 4.0)

नवीन पहलों में कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) द्वारा प्रभावी अपशिष्ट पृथक्करण और प्लास्टिक बोतल निपटान के लिए एआई बिन स्थापित करना, सामाजिक समावेशन को बढ़ावा देना, उपयोगकर्ता के अनुकूल डिजाइन और लागत दक्षता, अपशिष्ट से कला (सीएमपीडीआईएल ने अपशिष्ट पदार्थों से "गोल्डन डियर और फॉन" मूर्ति बनाई, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 7 फुट की मूर्ति भारत कोकिंग कोल लिमिटेड (बीसीसीएल), धनबाद में स्क्रैप से तैयार की गई और कुशल प्रबंधन के अंतर्गत बीसीसीएल ने एक अप्रयुक्त क्षेत्र को टेबल टेनिस कोर्ट में बदल दिया, जिससे कर्मचारी कल्याण और कार्य-जीवन संतुलन को बढ़ावा मिला।

एआई बिन्स, सीआईएल

बीसीसीएल का रिक्त स्थान का कुशल प्रबंधन

मंत्रालय और इसके सार्वजनिक उपक्रमों ने नवंबर, 2024 से अगस्त, 2025 (विशेष अभियान 4.0) की अवधि के दौरान निम्नलिखित लक्ष्य हासिल किए :

12.18 लाख वर्ग फीट क्षेत्र की सफाई करते हुए, स्वच्छता के उच्च मानक को बनाए रखा गया।

10,503 मीट्रिक टन से अधिक स्क्रैप का निपटान किया गया, जिसके परिणामस्वरूप 55.918 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ।

रिक्ँ त स्थानों का उपयोग विभिन्न प्रयोजनों के लिए करना, जैसे वृक्षारोपण, बागवानी गतिविधियां, सौंदर्यीकरण, चौड़े मार्ग, पार्किंग स्थल, कार्यालय में बैठने की व्यवस्था, भंडारण आदि।

कोयला मंत्रालय की ये उपलब्धियां और उसके सार्वजनिक उपक्रमों की स्वच्छ, हरित और सतत पर्यावरण को बढ़ावा देने की अटूट प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। विशेष अभियान 4.0 की सफलता पर्यावरण के प्रति मंत्रालय की ज़िम्मेदारी के प्रति समर्पण को रेखांकित करती है और आगामी विशेष अभियान 5.0 के लिए एक मजबूत आधार तैयार करती है।

कोयला मंत्रालय ने विशेष अभियान 5.0 की तैयारी के लिए 26 अगस्त 2025 और 4 सितंबर 2025 को सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों, एनएलसीआईएल, सीसीओ और सीएमपीएफओ के वरिष्ठ अधिकारियों और नोडल अधिकारियों के साथ संयुक्त सचिव (समन्वय) की अध्यक्षता में तैयारी बैठकें आयोजित की हैं।

पहली तैयारी बैठक में अधिकारियों को विशेष अभियान 4.0 के दौरान कोयला मंत्रालय की उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी गई और नोडल अधिकारियों को विशेष अभियान 5.0 की विभिन्न गतिविधियों के बारे में जागरूक किया गया।

दूसरी तैयारी बैठक में अभियान की समयसीमा के पालन और विशेष अभियान 5.0 के लिए नई पहलों पर विचार-विमर्श पर जोर दिया गया।

जीएसटी दरों में सुधार युवाओं को सशक्त बनाएंगे, फिटनेस को बढ़ावा देंगे और जीवन को आसान बनाएंगे

(जीएनएस)।

सरकार द्वारा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में हाल ही में किए गए सुधार देश के युवाओं को सशक्त बनाने, स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने और समग्र जीवन-यापन को सुगम बनाने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम हैं। जीएसटी दरों में किए गए यह सुधार फिट इंडिया मूवमेंट जैसी राष्ट्रीय पहलों और युवा-केंद्रित गतिशीलता एवं बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के चल रहे प्रयासों के साथ जुड़े होने के कारण युवाओं और खेल क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण हैं। ये सुधार खेल और फिटनेस गतिविधियों में बढ़ती भागीदारी और देश भर के युवाओं के लिए अवसरों तक व्यापक पहुंच को बढ़ावा देंगे।

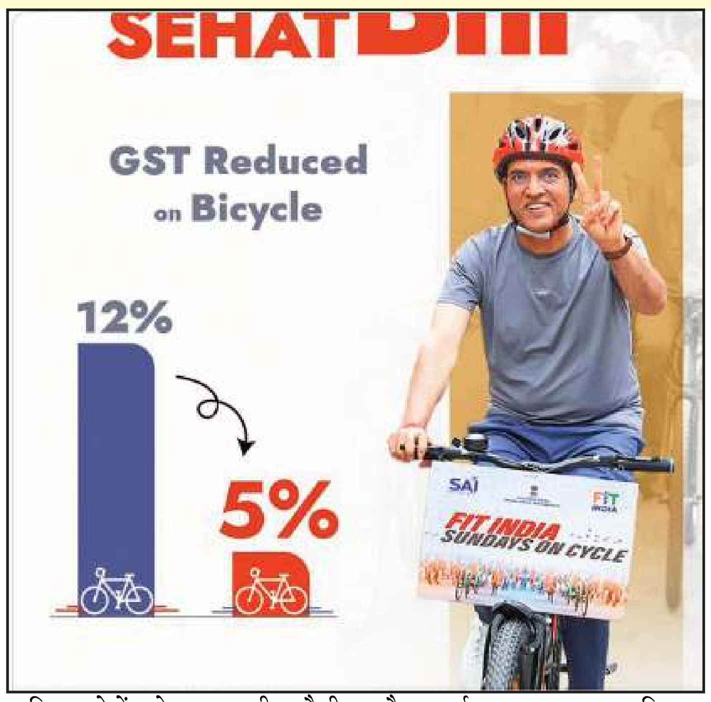

सभी के लिए फिटनेसः स्वस्थ जीवनशैली को किफायती बनाना

जिम और फिटनेस सेंटरों पर जीएसटी दर 18 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से नागरिकों, खासकर शहरी क्षेत्रों में युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण फिटनेस सुविधाएं और अधिक सुलभ हो जाएंगी। इस कदम से फिटनेस गतिविधियों और निवारक स्वास्थ्य सेवा में अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जो सीधे तौर पर फिट इंडिया अभियान के उद्देश्यों को बल प्रदान करेगा। यह जीएसटी सुधार लागत कम करके अधिक लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और पूरे देश में फिटनेस की एक मजबूत संस्कृति का निर्माण करने में सक्षम बनाएगा।

किफायती दाम पर पर्यावरण अनुकूल परिवहन

साइकिल और उसके पुर्जों पर जीएसटी 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से नागरिकों के लिए पर्यावरण-अनुकूल परिवहन अधिक सुलभ और किफायती हो जाएगा। इस कदम से छात्रों और युवाओं द्वारा साइकिल के उपयोग को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, साथ ही इससे टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन समाधानों को भी बढ़ावा मिलेगा।

खर्च कम, खेल ज्यादा

खिलौनों से लेकर खेल के सामान तक पर जीएसटी दर 12 प्रतिशत से घटाकर 5 प्रतिशत करने से खेल से जुड़े सामान युवाओं को आसानी से उपलब्ध हो जाएंगे। इस कदम से बच्चों व युवाओं की इनडोर और आउटडोर खेलों में अधिक भागीदारी को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। खेल के सामान और खिलौनों को ज्यादा किफायती बनाकर, ये सुधार भारत के खेल इकोसिस्टम को मजबूत बनाने और देश की युवा शक्ति के समग्र विकास में भी योगदान देते हैं।

युवाओं की गतिशीलता को बढ़ावाः सस्ते दोपहिया वाहन

सरकार के 350 सीसी तक के दोपहिया वाहनों और कम्यूटर बाइक पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने के फैसले से छात्रों, युवाओं और गिग वर्कर्स को भी काफी राहत मिलेगी। ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में दोपहिया वाहन परिवहन का प्रमुख साधन बने हुए हैं, और कर के कम बोझ से खरीद लागत कम होने से युवाओं पर वित्तीय बोझ कम होने की उम्मीद है।

कीमतें कम होने से छोटी कारों तक पहुंच आसान

इसी तरह, छोटी कारों पर जीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत करने से किफायती श्रेणी के वाहन सस्ते हो जाएंगे। इससे युवा वर्ग की सुविधाजनक और किफायती परिवहन विकल्पों तक पहुंच का विस्तार करके जीवन को आसान बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

जीएसटी सुधार सरकार के एक स्वस्थ, गतिशील और सशक्त युवा भारत के निर्माण, समावेशी विकास को बढ़ावा देने तथा समाज के सभी वर्गों के लिए अवसरों का विस्तार करने के दृष्टिकोण के अनुरुप है।

होम-कुक्ड फूड, मनोरंजन की व्यवस्था! मेहुल चोकसी को क्या-क्या मिलेगी सुविधा, इस जेल को बनाया गया '5 स्टार'

(जीएनएस) ।घोटाले के आरोपी हीरा व्यापारी मेहुल चोकसी को भारत लाने के लिए सरकार पूरी कोशिश कर रही है। बेल्जियम को भरोसा दिया गया है कि भारत में उन्हें यूरोपीय ह्यूमन राइट्स स्टैंडर्ड्स के अनुसार रखा जाएगा।

अगर प्रत्यर्पण सफल होता है, तो चोकसी को मुंबई की अर्थर रोड जेल के बैरक नंबर 12 में रखा जाएगा। यहां उन्हें सुरक्षा, स्वच्छता, पोषण, मनोरंजन और स्वास्थ्य जैसी तमाम सुविधाएं मिलेंगी। यह बैरक मुख्य जेल से अलग होने के कारण सुरक्षा और निजता दोनों सुनिश्चित करता है।

बैरक नंबर 12 में चोकसी को 5-सितारा होटल जैसी सुविधाएं मिलेंगी। सेल का आकार 20७15 फीट है और इसमें अलग टॉयलेट, 3 सीलिंग फैन, 6 ट्यूब लाइट, वेंटिलेटर, मच्छर रोधी वायर मेश और लोहे के गेट होंगे। चोकसी को सॉलिटरी कन्फाइनमेंट में नहीं रखा जाएगा। उनके साथ एक अन्य आर्थिक अपराध के आरोपी को रखा जाएगा ताकि बातचीत संभव हो सके। बैरक मुख्य जेल से अलग होने के कारण भीड़, हिंसा और वसूली का खतरा नहीं रहेगा।

क्या-क्या मिलेगी सुविधा?

बैरक में 24७7 उउळश और जेल स्टाफ की निगरानी रहेगी।

रोजाना साफ-सफाई और दिन में दो बार कचरा हटाना सुनिश्चित किया जाएगा।

चोकसी को कॉटन मैट, चादर, कंबल और तकिया मिलेगा।

जरूरत पड़ने पर कोर्ट या मेडिकल ग्राउंड्स पर बिस्तर उपलब्ध होगा।

भोजन और स्वास्थ्य का विशेष ख्लाय

दिन में तीन पोषणयुक्त भोजन।

कोर्ट अनुमति पर होम-कुक्ड फूड।

जेल कैंटीन से फल, स्नैक्स और अन्य आवश्यक सामग्री।

24७7 मेडिकल सुविधा और इमरजेंसी में खख हॉस्पिटल तक सीधा एक्सेस।

मनोरंजन की विशेष व्यवस्था

15७40 फुट के ओपन स्काय यार्ड में रोजाना कम से कम एक घंटा।

व्यायाम, बैडमिंटन, शतरंज, कैरम, योग और मेडिटेशन की सुविधा।

जेल की लाइब्रेरी तक पहुंच, पढ़ाई और मानसिक विकास के लिए।

चोकसी पर 14,000 करोड़ रुपए के लोन घोटाले का आरोप

मेहुल चोकसी (टीँ४’ उँङ्ग’ ३) पर अपने भतीजे नीरव मोदी के साथ लगभग 14,000 करोड़ रुपए के लोन घोटाले में शामिल होने का आरोप है। दोनों जनवरी 2018 में भारत से विदेश भाग गए थे। इसके कुछ ही दिन बाद पंजाब नेशनल बैंक में बड़ा घोटाला सामने आया। भारत से भागने के बाद चोकसी ने एंटीगुआ और बारबुडा की नागरिकता ले ली थी। वह पहले से ही भगोड़ा घोषित किया जा चुका है। चोकसी को बेल्जियम पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

65 वर्षीय मेहुल चोकसी अंतरराष्ट्रीय स्तर के हीरा कारोबारी रहे हैं। उनका कारोबार भारत के साथ-साथ अमेरिका, मिडिल ईस्ट और साउथ ईस्ट एशिया तक फैला हुआ था। चोकसी गीतांजलि ग्रुप के मालिक हैं, जो भारत में लगभग 4,000 स्टोर वाली आभूषण कंपनी है।

उनकी कंपनी गीतांजलि जेम्स लिमिटेड हीरे और आभूषणों के

शिक्षा मंत्रालय 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना' विषय-वस्तु के साथ अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस (आईएलडी) 2025 मना रहा है

हिमाचल प्रदेश, त्रिपुरा, मिजोरम, गोवा और लद्दाख के बाद 5वां पूर्ण साक्षर राज्य/केंद्र शासित प्रदेश बना

श्री धर्मेंद्र प्रधान ने साक्षरता को सशक्तिकरण के रूप में रेखांकित किया; प्रगति की सराहना की और सार्वभौमिक साक्षरता के लिए सामूहिक प्रयास का आग्रह किया

कौशल, नागरिक जागरूकता, डिजिटल पहुंच और वित्तीय जागरूकता सच्ची साक्षरता के मुख्य बिंदु हैं - श्री जयंत चौधरी

(जीएनएस)।

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयंत चौधरी ने आज नई दिल्ली स्थित डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (डीओएसईएल) द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस (आईएलडी) 2025 समारोह को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में त्रिपुरा के शिक्षा मंत्री श्री किशोर बर्मन, मिजोरम के शिक्षा मंत्री डॉ. वनलालथलाना और डीओएसईएल के सचिव श्री संजय कुमार के साथ-साथ शिक्षा मंत्रालय, एनसीईआरटी,

सीबीएसई, केवीएस, एनवीएस, एनसीटीई, एनआईओएस, राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के शिक्षा विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, स्वयंसेवी शिक्षक, शिक्षार्थी, नव-साक्षर और अन्य हितधारक भी शामिल हुए।

इस वर्ष के समारोह की विषय वस्तु थी "डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना", जिसमें देश भर में पढ़ने, लिखने, अंकगणित और आजीवन शिक्षण कौशल को सक्षम करने में डिजिटल प्रौद्योगिकी की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया।

हिमाचल प्रदेश पूर्ण कार्यशील साक्षरता हासिल करने वाला चौथा राज्य बन गया है, और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में त्रिपुरा, मिजोरम और गोवा के साथ शामिल हो गया है। 24 जून, 2024 को लद्दाख को पूर्ण साक्षर होने वाला पहला केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने एक वर्चुअल संबोधन दिया जिसमें भारत की प्रगति और सार्वभौमिक साक्षरता के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया। श्री प्रधान ने इस बात पर जोर दिया कि साक्षरता केवल पढ़ने-लिखने तक सीमित नहीं है।

यह सम्मान, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का साधन है। उन्होंने कहा कि भारत की साक्षरता दर 2011 के 74 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 80.9 प्रतिशत हो गई है, लेकिन उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सच्ची प्रगति तभी होगी जब साक्षरता प्रत्येक नागरिक के लिए एक जीवंत वास्तविकता बन जाएगी। उन्होंने उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम की रूपांतरकारी भूमिका की चर्चा की, जिसमें 3 करोड़ से ज्यादा शिक्षार्थी और 42 लाख स्वयंसेवक नामांकित हैं। लगभग 1.83 करोड़ शिक्षार्थी पहले ही बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता मूल्यांकन प्राप्त कर चुके हैं, जिसमें 90 प्रतिशत सफलता मिली है। यह कार्यक्रम अब 26 भारतीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री प्रदान करता है, जिससे साक्षरता वास्तव में समावेशी बनती है। लद्दाख, मिजोरम, गोवा, त्रिपुरा और हिमाचल प्रदेश को पूर्ण साक्षरता प्राप्त करने पर बधाई देते हुए, श्री प्रधान ने कहा कि ये उपलब्धियां सरकार, समाज और स्वयंसेवकों के सामूहिक प्रयास की शक्ति की पुष्टि करती हैं। उन्होंने युवाओं और छात्रों से साक्षरता मिशन में योगदान देने का आग्रह किया और सुझाव दिया कि ऐसे प्रयासों को अकादमिक क्रेडिट के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए। श्री प्रधान ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के शिक्षा को सभ्यता की नींव मानने के विजन को दोहराया और एक साक्षर, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण के लिए नए सिरे से प्रतिबद्धता की अपील की। इस अवसर पर, श्री जयंत चौधरी ने प्रसन्नता व्यक्त की कि हिमाचल प्रदेश ने मिजोरम, गोवा, त्रिपुरा और लद्दाख के साथ मिलकर खुद को पूर्ण साक्षर घोषित कर लिया है। उन्होंने कहा कि यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि दुर्गम भूभाग वाले राज्य इस उपलब्धि को प्राप्त करने वाले पहले राज्यों में शामिल हैं।

RNI No.: UPHIN/25/A1697 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : ASHWANI KUMAR

पश्चिम रेलवे चलाएगी अहमदाबाद और बांद्रा टर्मिनस के बीच स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से अहमदाबाद एवं बांद्रा टर्मिनस स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

- ट्रेन संख्या 09442/09441 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09442 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल मंगलवार, 16 और 23 सितम्बर, 2025 को अहमदाबाद से 21:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 09441 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद स्पेशल बुधवार, 17 और 24 सितम्बर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 22:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:40 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में नडियाद, आणंद, वडोदरा, सूरत, वापी और बोरीवली स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09442 एवं 09441 की बुकिंग 09 सितम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वीएजी-14 बी लोकोमोटिव मेसर्स एल्स्टॉम और भारतीय रेल द्वारा संयुक्त रूप से विकसित इंजन

WAG-12B एक ट्विन-सेक्शन 25 केवी एसी इलेक्ट्रिक मालवाहक इंजन है, जिसे मेसर्स एल्स्टॉम (M/s Alstom) और भारतीय रेल द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है तथा इसका निर्माण मधेपुरा, बिहार स्थित इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव फैक्ट्री में किया जा रहा है। यह निर्माण कार्य प्रोक्योरमेंट कम मेंटेनेंस एग्रीमेंट (PCMA) दिनांक 30 नवम्बर 2015 के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसके अनुसार 11 वर्षों की अवधि में कुल 800 WAG-12 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव की आपूर्ति की जानी है

इस परियोजना के अंतर्गत पहला इंजन वर्ष 2017 में मधेपुरा इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव फैक्ट्री से रोल-आउट किया गया और उसे सहारनपुर डिपो में आवंटित किया गया। यहाँ तक कि 250वें लोकोमोटिव के निर्माण तक इन्हें सहारनपुर में ही रखा गया। इसके बाद 251वें से 500वें लोकोमोटिव के निर्माण तक को नागपुर शेड में होम किया गया।

वहीं, 501वें से 800वें लोकोमोटिव के निर्माण तक कुल 300 WAG-12B इंजनों के रख-रखाव हेतु तीसरा मेंटेनेंस डिपो साबरमती शेड को नामित किया गया है। वर्तमान तिथि तक, साबरमती लोको शेड में कुल 50 हअक्-12 विद्युत इंजनों को होम किया गया है।

अधिक विद्युत शक्ति/ क्षमता की ताकत को एक्सल लंबाई की सीमा में फिट करने के लिए इस लोकोमोटिव को दो यूनिटों में विभाजित किया गया है, जो एक वेस्टिब्यूल (गैंगवे) द्वारा आपस में जुड़ी होती हैं। प्रत्येक यूनिट के बाहरी सिरे पर स्वयं का ड्राइविंग कैब होता है। इसे विश्वसनीयता, दक्षता और संचालन की जटिलता को कम करने के उद्देश्य से डिजाइन किया गया है, जिसमें आधुनिक सुविधाएँ जैसे कि DDU (ड्राइवर डिस्प्ले यूनिट) में सॉफ्ट-की नियंत्रण, कूलिंग सिस्टम के लिए डि'मिडिफायर, और वातानुकूलित केबिन शामिल हैं।

मशीन विवरण:-

- 3 फेज लोको को बिना उठाए एक्सल बॉक्स के लिए मोटराइज्ड चेंजिंग किट
- मॉडल संख्या:-IE.3PH. एक्सल CK.50
- क्षमता:- 50 टन (प्रत्येक एकल हाइड्रोलिक जैक, सक्रिय)
- बंद करने की ऊँचाई:- 360 मिमी
- ऑपरेटिंग दबाव-550 किग्रा/सेमी2 अधिकतम।

कार्य:- लोको के किसी भी कारण से एक्सल बॉक्स निकालने के लिए इस मशीन का उपयोग किया जाता है। इस हाइड्रोलिक मशीन को किसी भी जगह पर जहां विद्युत सप्लाइ रहती है वहां पर इस कार्य को किया जा सकता है। इस मशीन के द्वारा रेलयान के प्राइमरी क्वाइल स्प्रिंग को भी बदली कर सकते है।

- बचत:- यदि रेलयान के एक्सल बॉक्स को रेलयान लिफ्ट करके निकालते है तो 4 शिफ्ट और 12 मैन पावर की आवश्यकता होती है और यदि यही कार्य ड्रॉप टेबल पर करते है तो 3 शिफ्ट और 08 मैन पावर की जरूरत होती है।

लेकिन यह कार्य इस मशीन के द्वारा करते है तो एक शिफ्ट और 03 मैन पावर के द्वारा किया जा सकता है।

इस प्रकार 3 शिफ्ट और 09 मैन पावर की बचत हो सकती है।

मशीन विवरण:-

- पिवट हाउसिंग फिटिंग और डिस्मेंटलिंग के लिए मोटराइज्ड पिवट हाउसिंग चेंजिंग किट।
- ऑपरेटिंग प्रेशर-80 kg/cm2

कार्य:- 3 ø लोको के IOH शैड्यूल और अंडर रिपेयर मरम्मत के दोरान सेंटर पिवोट की इलास्टिक रिंग को बदली करने के लिए इस मशीन का उपयोग किया जाता है। इस मशीन के साथ इलास्टिक रिंग को निकालने और फिट करने के लिए अलग - अलग फिक्सचर है । इस मशीन को किसी भी पिट लाइन जहां पर विद्युत सप्लाइ रहती है, वहां पर इस कार्य को किया जा सकता है। अभी तक यह कार्य वटवा शेड से मशीन लाकर कार्य करते थे जिसमे 4 स्टाफ, 2 शिफ्ट और ट्रांसपोर्टेशन साधन की जरूरत पड़ती थी। अब यह बचत होगी ।

मशीन विवरण:-

- WAG-9 लोको के लिए 70 टन क्षमता का स्फेरिब्लॉक चेंजिंग किट
- क्षमता:-70 टन
- पिस्टन रॉड व्यास:-70 मिमी
- पिस्टन स्ट्रोक:-250 मिमी
- दबाव:-220-225 किलोग्राम
- कार्य:- 3 ॡ लोको के IOH, TOH शैड्यूल के दौरान ऐक्सल गाइड और टोर्कआर्म के स्फेरीब्लोक को बदली करने के लिए इस मशीन का उपयोग किया जाता है। इस मशीन द्वारा ऐक्सल गाइड और टोर्क आर्म के स्फेरीब्लोक को बदली करने के लिए अलग - अलग फिक्सचर है। इस मशीन को किसी निश्चित जगह पर जहां विद्युत सप्लाइ रहती है वहां पर इस कार्य को किया जा सकता है।
- अभी तक यह कार्य वटवा शेड ऐक्सल गाइड और टोर्कआर्म के स्फेरीब्लोक और स्फेरीब्लोक को भेज कर वहाँ के मशीन से करते थे, जिसमे 4 स्टाफ 2 शिफ्ट और ट्रांसपोर्टेशन साधन की जरूरत पड़ती थी । अब यह बचत होगी ।

वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए भारत एकजुट है; स्वदेशी और आत्मनिर्भर भारत पर ध्यान देना जरूरी: केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल

भारत "शून्य दोष, शून्य प्रभाव" विकास के लिए प्रतिबद्ध; विश्वसनीय वैश्विक साझेदार और सतत विकास के प्रयासों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनकर्ता: श्री गोयल

जीएसटी दरों में कटौती और सुधारों से घरेलू मांग बढ़ेगी; भारत एक वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर: श्री पीयूष गोयल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, भारत कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं से शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में पहुंचा; पिछले चार वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ रहा है: श्री पीयूष गोयल

(जीएनएस)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने आज 56वें ईईपीसी इंडिया राष्ट्रीय पुरस्कारों को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक स्थिति में चाहे कितनी भी बड़ी समस्या क्यों न आ जाए, भारत एक राष्ट्र के रूप में एकजुट है। उन्होंने आगे कहा कि देश में किसी भी संकट से उबरने की क्षमता है। श्री गोयल ने इस बात पर भी जोर दिया कि व्यवसायों को स्वदेशी उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए, क्योंकि इससे न केवल भारत के विकास में मदद मिलेगी, बल्कि देश की वित्तीय सुरक्षा भी मजबूत होगी। उन्होंने आगाह किया कि हाल ही में यह देखा गया है कि कोई भी देश निर्यात नियंत्रण लगा सकता है या महत्वपूर्ण उत्पादों को भारत पहुंचने से रोक सकता है, जिससे व्यवसायों के लिए बाधाएं पैदा हो सकती हैं। इसलिए आत्मनिर्भर भारत पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सभी को इस आह्वान को स्वीकार करना चाहिए।

श्री गोयल ने यह भी याद दिलाया कि 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवाचार के महत्व पर जोर देते हुए स्वदेशी उत्पादों का आह्वान किया था। उन्होंने कहा कि भारत के 1.4 अरब लोगों, व्यवसायों और व्यापार को मेड इन इंडिया उत्पादों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि जो व्यवसाय आयात पर निर्भर हैं, वे ऐसे उत्पादों पर विचार कर सकते हैं जिन्हें भारत में ही खरीदा और बनाया जा सकता है।

माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। अपने संबोधन में उन्होंने भारत के इंजीनियरिंग निर्यात और पिछले दशकों में उनकी प्रगति के बारे में बात की। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को बढ़ाने में निर्यात के महत्व पर जोर दिया।

श्री गोयल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत की मजबूती व्यापार और एमएसएमई क्षेत्र पर निर्भर करती है, जो देश के व्यवसायों की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि भारत का आत्मविश्वास इतना मजबूत है कि यह और मजबूत होता जाएगा और किसी के आगे नहीं झुकेगा। ईईपीसी की यात्रा का ज़िक्र करते हुए उन्होंने बताया कि 1955 में निर्यात 1 करोड़ अमेरिकी डॉलर था, जबकि आज यह 116 अरब अमेरिकी डॉलर है। उन्होंने कहा कि समय के साथ इंजीनियरिंग क्षेत्र बड़े लक्ष्यों और ज्यादा मजबूती के साथ और आगे बढ़ेगा।

श्री गोयल ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि "शून्य दोष, शून्य प्रभाव" के आदर्श वाक्य के साथ भारत और भी तेजी से आगे बढ़ेगा। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया कि भारत में अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पाद बनें और दुनिया भर में बेचे जाएं। उन्होंने आगे कहा कि आज दुनिया भारत को एक विश्वसनीय साझेदार मानती है और इस स्थिति को बनाए रखना जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत स्थिरता के प्रति जागरूक राष्ट्र है। एक जिम्मेदार वैश्विक नागरिक के रूप में भारत प्रकृति के प्रति सजग है और पेरिस में आयोजित सीओपी21 के तहत अपनी राष्ट्रीय विकास परिषद (एनडीसी) प्रतिबद्धताओं के साथ भारत वर्षों से वैश्विक स्थिरता प्रयासों में लगातार शीर्ष तीन में स्थान बना रहा है।

श्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कमजोर पांच अर्थव्यवस्थाओं से शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत पिछले चार वर्षों से सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था रहा है। पिछली तिमाही में देश ने 7.8 प्रतिशत की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि हासिल की, जिसे उन्होंने विश्व रिकॉर्ड बताया।

उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती और सरलीकरण के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घरेलू मांग को बढ़ावा दिया है। श्री गोयल ने कहा कि कर्मचारियों के लिए नए अवसर और आय में वृद्धि होगी। उन्होंने आगे कहा कि जब आर्थिक व्यवस्था के मजबूत आधार पर बुनियादी ढांचे पर खर्च और उपभोक्ता मांग बढ़ेगी, तो दुनिया की कोई भी ताकत भारत को विश्व शक्ति बनने से नहीं रोक सकती।

श्री पीयूष गोयल ने समतामूलक आर्थिक लाभों के महत्व पर जोर देते हुए अपने भाषण का समापन किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जीएसटी दरों में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाना चाहिए, ताकि विकास हर नागरिक तक पहुंचे और भारत की अर्थव्यवस्था की नींव मजबूत हो। उन्होंने कहा कि जब भारत एक संयुक्त परिवार की तरह काम करेगा और सभी क्षेत्रों में एक-दूसरे का समर्थन करेगा, तो समावेशी विकास स्वाभाविक रूप से होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि देश सतत और समावेशी विकास के लिए एक वैश्विक आदर्श बन सकता है।

'सेवा ही संकल्प': भावनगर मंडल आरपीएफ की नयी मिसाल

वर्ष 2025 में यात्रियों की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और जन-जागरूकता अभियानों में उल्लेखनीय सफलताएँ

पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने वर्ष 2025 में जनवरी से अगस्त माह के दौरान ह्लसेवा ही संकल्पह्व अभियान के अंतर्गत यात्रियों की सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और जन-जागरूकता को सर्वोपरि रखते हुए उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल की हैं। आईजी-सह-प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त श्री अजय सदानी के कुशल नेतृत्व और मंडल रेल प्रबंधक श्री दिनेश वर्मा के मार्गदर्शन में आरपीएफ भावनगर मंडल ने रेलवे परिसर की सुरक्षा और रेल यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

जनवरी से अगस्त 2025 तक की प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार रहीं:

- ऑपरेशन अमानत: यात्रा के दौरान छूटे हुए यात्रियों के 140 कीमती सामान (मूल्य ₹18,94,694/-) सुरक्षित लौटाए गए।
- ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते: घर से भागे हुए 19 नाबालिग बच्चों को सकुशल परिजनों से मिलाया गया।
- ऑपरेशन रेल सुरक्षा: रेलवे संपत्ति की चोरी के मामलों में 35 आरोपियों को पकड़कर कानूनी कार्रवाई की गई।
- ऑपरेशन समय पालन: सवारी गाड़ियों में चैन पुलिंग कर आवागमन बाधित करने वालों पर कड़ी कार्रवाई करते हुए 123 मामलों में आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।
- ऑपरेशन जनजागरण: स्टेशनों, गांवों और रेलवे डिस्प्ले नेटवर्क के माध्यम से यात्रियों को महिला सुरक्षा, नशामुक्ति, मानव तस्करी तथा रेल संपत्ति संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया।

आरपीएफ भावनगर मंडल ने अपनी सतर्कता, समर्पण और दक्षता से यह साबित किया है कि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा ही सर्वोच्च प्राथमिकता है। 'सेवा ही संकल्प' के अंतर्गत किए गए ये प्रयास भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगे।

पश्चिम रेलवे द्वारा मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई, 08 सितंबर, 2025

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा विशेष रूप से त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से मुंबई सेंट्रल एवं इंदौर के बीच विशेष किराये पर चलने वाली स्पेशल ट्रेन के फेरों को मौजूदा समय, ठहराव और संरचना के अनुसार विस्तारित किया गया है।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09085/09086 मुंबई सेंट्रल-इंदौर (त्रि-साप्ताहिक) स्पेशल [14 फेरे]

ट्रेन संख्या 09085 मुंबई सेंट्रल-इंदौर स्पेशल ट्रेन प्रत्येक सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से 23.20 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे इंदौर पहुँचेगी। इस ट्रेन के फेरों को 15 से 29 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09086 इंदौर-मुंबई सेंट्रल स्पेशल ट्रेन इंदौर से प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को 17.00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07.10 बजे मुंबई सेंट्रल पहुँचेगी। इस ट्रेन के फेरों को 16 से 30 सितंबर, 2025 तक विस्तारित किया गया है।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, दाहोद, रतलाम और उज्जैन स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, एसी 2-टियर और एसी 3-टियर कोच हैं।

ट्रेन संख्या 09085 एवं 09086 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 09 सितंबर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं अहमदाबाद के बीच चलाएगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

मुंबई,

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं अहमदाबाद स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

ट्रेन संख्या 09441/09442 बांद्रा टर्मिनसझ्अहमदाबाद साप्ताहिक स्पेशल [4 फेरे]

ट्रेन संख्या 09441 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद स्पेशल बुधवार, 17 और 24 सितम्बर, 2025 को बांद्रा टर्मिनस से 22:50 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:40 बजे अहमदाबाद पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09442 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल मंगलवार, 16 और 23 सितम्बर, 2025 को अहमदाबाद से 21:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 06:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, आणंद और नाडियाद स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी 3 टियर, स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 09441 एवं 09442 की बुकिंग 09 सितम्बर, 2025 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, संरचना और समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

टीटीई अब लगाएंगे डिजिटल हाजिरी : वड़ोदरा मंडल ने लागू की आधुनिक बायोमेट्रिक प्रणाली

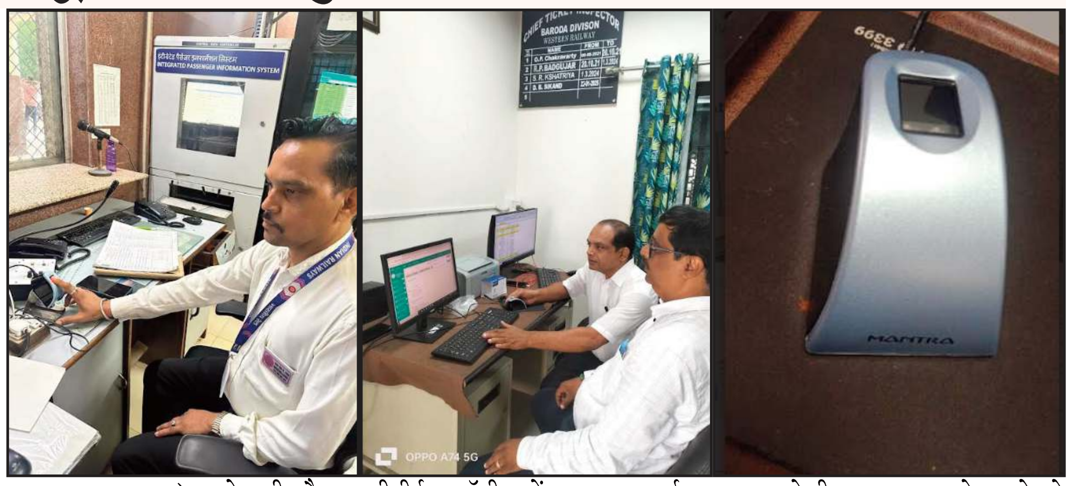

वड़ोदरा रेल मंडल ने अपने टिकट चेकिंग स्टाफ (TTE) की ड्यूटी प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मंडल के अंतर्गत सभी टीटीई लॉबी में आधार-आधारित बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन सिस्टम सफलतापूर्वक लागू कर दिया गया है।

अब टीटीई अपनी ड्यूटी की शुरूआत में बायोमेट्रिक साइन-इन और समाप्ति पर साइन-आउट करेंगे। इस व्यवस्था से न केवल कर्मचारियों की रीयल-टाइम उपस्थिति दर्ज होगी, बल्कि ड्यूटी रिकॉर्ड में पूर्ण पारदर्शिता और विश्वसनीयता भी सुनिश्चित होगी। इससे साइन-इन और साइन-आउट की प्रक्रिया तेज, सरल और सुरक्षित हो गई है।

टीटीई लॉबी एप्लिकेशन (TTE Lobby Application) को सी-डैक (केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की वैज्ञानिक संस्था) के पोर्टल से जोड़ा गया है। यह प्रणाली वर्तमान में वड़ोदरा, भरूच, अंकलेश्वर, आणंद, छायापुरी, गोधरा, नडियाद और एकतानगर स्थित टीटीई लॉबी में सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है।

बायोमेट्रिक प्रणाली लागू होने से कर्मचारियों की उपस्थिति पर प्रभावी निगरानी संभव होगी और ड्यूटी रिकॉर्ड में किसी भी प्रकार की अनियमितता अथवा गड़बड़ी पर रोक लग सकेगी। यह पहल न केवल रेलवे की डिजिटल इंडिया और स्मार्ट रेलवे मिशन को गति प्रदान करेगी, बल्कि प्रशासनिक कार्यप्रणाली में भी उल्लेखनीय सुधार लाने में सहायक सिद्ध होगी।

केन्द्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में 28वीं यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे

(जीएनएस)। केन्द्रीय संचार एवं उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में 28वें यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस में एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे, जहां भारत डाक क्षेत्र में नवाचार, वित्तीय समावेशन और वैश्विक सहयोग का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। भारत की भागीदारी का एक प्रमुख आकर्षण ग्राउंडब्रेकिंग यूपीआई-यूपीयू इंटीग्रेशन परियोजना का प्रत्याशित शुभारंभ होगा।

यूपीआई-यूपीयू इंटीग्रेशन : आधुनिक रेमिटेंस की ओर एक क्रांतिकारी कदम

यूपीआई-यूपीयू इंटीग्रेशन परियोजना भारत में बाहर से आने वाले धन के स्थानांतरण में क्रांतिकारी बदलाव लाने की एक परिवर्तनकारी पहल है। डाक विभाग (डीओपी), एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड (एनआईपीएल) और यूपीयू के नेतृत्व में इस सहयोग का उद्देश्य भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को यूपीयू इंटरकनेक्शन प्लेटफॉर्म (आईपी) के साथ मूल रूप से एकीकृत करना है। यह एकीकरण भारतीय प्रवासियों के लिए घर पैसे भेजने के लिए एक सुरक्षित, कुशल और किफायती माध्यम बनाने का वादा करता है, जिससे लाखों परिवारों को लाभ होगा और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस की प्रमुख बातें:

माननीय मंत्री का संबोधन : श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया द्वारा यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस के दौरान प्रमुख भाषण दिए जाने की उम्मीद है, जिसमें वे आधुनिक, विश्वसनीय और समावेशी डाक इकोसिस्टम के लिए भारत के दृष्टिकोण को रेखांकित करेंगे। इस संबोधन में डाक सेवाओं को बढ़ाने और वैश्विक स्तर पर वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला जाएगा।

यूपीआई-यूपीयू इंटीग्रेशन का शुभारंभ: यूनिवर्सल पोस्टल कांग्रेस के दौरान महत्वपूर्ण कार्यक्रम यूपीआई-यूपीयू इंटीग्रेशन परियोजना के आधिकारिक लॉन्च होने की उम्मीद है, जो भारत में बाहर से आने वाले धन के स्थानांतरण में सहयोग और नवाचार की शक्ति को प्रदर्शित करेगा।

सदस्य देशों के साथ सहभागिता: भारतीय प्रतिनिधिमंडल भारत की विशेषज्ञता को साझा करने, संभावित साझेदारियों का पता लगाने और डाक क्षेत्र में नवीन समाधानों को अपनाने को बढ़ावा देने के लिए 192 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ सक्रिय रूप से सहभागिता करेगा।

प्रगतिशील एजेंडे के महत्व पर जोर: भारत से दुबई साइकिल के लिए प्रगतिशील एजेंडे को आगे बढ़ाने की उम्मीद है, जिसमें प्रौद्योगिकी अपनाने, सतत प्रथाओं और सभी के लिए डाक सेवाओं तक समान पहुंच के महत्व पर जोर दिया जाएगा।

भारत ने यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन की प्रमुख परिषदों के लिए उम्मीदवारी की पेशकश की है: भारत ने यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन की प्रशासन परिषद और डाक परिचालन परिषद के लिए अपनी उम्मीदवारी की पेशकश की है, जिसमें बड़े पैमाने पर वितरण, डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने और स्थिरता को बढ़ावा देने पर केंद्रित सार्थक साझेदारियों के लिए समर्थन मांगा गया है, जिसका उद्देश्य वैश्विक व्यापार में समान अवसर प्रदान करना, वैश्विक साझेदारों से सीखकर क्षमता निर्माण करना है ताकि अंतर्राष्ट्रीय डाक सहयोग को और मजबूत किया जा सके।

भारत सरकार के डाक विभाग की सचिव सुश्री वंदिता कौल ने कहा कि "भारत वैश्विक डाक समुदाय के साथ मिलकर एक अधिक संबद्ध, समावेशी और सतत भविष्य के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।" उन्होंने आगे कहा, "यूपीयू कांग्रेस साझेदारी और ज्ञान साझा करने के लिए एक अमूल्य मंच प्रदान करती है और हम इस महत्वपूर्ण आयोजन की सफलता में योगदान देने के लिए तत्पर हैं।"

समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश अभियान के तहत संडीला में प्रबुद्धजनों का भ्रमण

संडीला/हरदोई। तहसील संडीला में ह्लसमर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेशह्व अभियान के अंतर्गत सोमवार को प्रबुद्धजनों का विशेष भ्रमण आयोजित किया गया। इस दौरान टीम ने कई स्थलों का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से संवाद कर सरकार की योजनाओं की जानकारी साझा की।

प्लांट टेक होम राशन व महिलाओं से संवाद

भ्रमण की शुरूआत टेक होम राशन प्लांट से हुई। यहां प्रबुद्धजनों ने उत्पादन प्रक्रिया देखी और महिला समूह से बातचीत की। महिलाओं से लाभांश व बच्चों की शिक्षा पर फोकस करने को कहा गया।

ग्रामवासियों की भागीदारी

बेगमगंज पंचायत भवन में ग्रामीणों से मुलाकात कर उन्हें समर्थ कर-

कोड के माध्यम से सुझाव दर्ज करने की जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने शिक्षा, कौशल विकास व रोजगार पर बल देने की बात कही।

स्कूल-आंगनवाड़ी निरीक्षण

स्कूल व आंगनवाड़ी भ्रमण में बच्चों का वजन कराया गया। कमजोर बच्चों की विशेष देखभाल के निर्देश दिए गए। सीडीपीओ व सुपरवाइजर को नियमित निगरानी के लिए कहा गया।

कस्तूरबा स्कूल व अक लैब

टीम ने कस्तूरबा स्कूल जाकर एआई लैब का निरीक्षण किया। बच्चों को नई तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

किसानों से संवाद

कृषि विभाग के कैट सेंटर पर किसानों से मुलाकात कर फसलों की जानकारी ली गई। किसानों को फूल व केले की खेती को बढ़ावा देने की सलाह दी गई।

ग्रामवासियों की मांगें

ग्रामवासियों ने स्टेडियम, पार्क, जल निकासी और बस स्टॉप पर शौचालय निर्माण की मांग रखी। अधिकारियों को शीघ्र समाधान के निर्देश दिए गए

टीम में के. रबिन्द्र नायक, राकेश कुमार सूद, नरेशा चन्द्र शुक्ला, राघवेन्द्र प्रताप सिंह, अरविन्द कुमार जैन, सीडीओ हरदोई, एसडीएम संडीला नारायणी भटिया सहित तहसील, ब्लॉक व न.पा. कस्तूरबा गांधी बालिका स्कूल का स्टाफ प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल रहे।

5 सितंबर से 14 सितंबर 2025 तक हजरत मोहम्मद (सल्ल0) सीरत परिचय अभियान

जमाअते इस्लामी हिंद उत्तर प्रदेश पूर्व शाखा इकाई सलोन के तत्वाधान में सम्पन्न

सलोन रायबरेली

मानवता के उपकारक हजरत मोहम्मद (सल्ल0) सीरत परिचय अभियान 5 सितंबर से 14 सितंबर 2025 तक जमाअते इस्लामी हिंद उत्तर प्रदेश पूर्व शाखा इकाई सलोन के तत्वाधान में कस्बा सलोन के इस्माइल लान मे डॉक्टर मलिक मोहम्मद फैसल अमीर हल्का की अध्यक्षता में संपन्न हुआ'

कार्यक्रम का आरंभ मौलाना मोहम्मद रफीक ने कुरान पाक की तिलावत और अनुवाद से किया' पैगंबर हजरत मोहम्मद (स0)के जीवन पर डॉङ्कफखरे आलम एवं मौलाना तनवीर अहमद नदवी ने खिताब किया'

मानवता के उपकारक अंतिम पैगंबर हजरत मुहम्मद (स0) शीर्षक पर शिक्षक गौरव शर्मा ,श्रवण कुमार यादव , एडवोकेट आर एन वर्मा, इसरार हैदर रानू पूर्व सभासद, मोहम्मद इरफान सिद्दीकी, अर्जुन पासी, तनवीर अहमद ,असद सलोनी, हाफिज मआज, मौलाना मोहम्मद उमैर नदवी साहब ने हजरत मोहम्मद (सल्ल0) के जीवन पर अपने विचार साझा करते हुए कहा आपका जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है '

अपने अध्यक्ष भाषण में डॉङ्क

मलिक मोहम्मद फैसल ने कहा; कुरान समस्त मानव जाति के लिए मार्गदर्शन और अनुस्मृति है' सामाजिक जीवन के प्रति अधिकारों और कर्तव्यों का विस्तृत विवरण कुरान में मौजूद है'

सारी इंसानियत के नबी पैगंबर हजरत मोहम्मद सल्लङ्क का चरित्र हम सबके लिए नमूना है' आपने भाषा रंग और नस्ल के भेद भाव को समाप्त करके मानव समानता का उपदेश दिया अज्ञान काल के बुरे रीत रिवाजों को समाप्त किया' औरतों को उनका हक दिलाया ' पथ भ्रष्टता से बचने के लिए कुरान और अपनी सुन्नत को मजबूती से पकड़ लेने की वसीयत की '

आपने कहा तुम में बेहतरीन वह लोग हैं जिनके अखलाक एवं नैतिक चरित्र सबसे अच्छे हो' आपने मानवाधिकार को बहुत महत्व दिया ' अंत में अमीर मुकामी डॉङ्क एजाज उमर अंसारी ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया 'संचालन सेवा निवृत शिक्षक मोहम्मद इस्माइल खान ने किया। सभी आगंतुको को इरफान सिद्दीकी द्वारा अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया' मोहम्मद तय्यब खान, अब्दुल्लाह उमर, हसन अकबर, मोहम्मद काशिफ, अहमद जिया, मौलाना मोहम्मद अहमद नदवी, मोहम्मद शरीफ गड्डी, फिरोज इदरीसी, लक्ष्मण प्रसाद वर्मा, महमूद अहमद, सऊद अहमद खान, सबीहुल हसन,मोहम्मद आजम, जावेद खान, सुहैल अहमद, फहद खान , अयाज अहमद काजू सभासद, जैद खान मेवाती,मोहम्मद रजी, इमरान खान शिक्षक,समीम रायनी,सहित भारी संख्या में लोगों ने प्रतिभाग कर कार्यक्रम को सफल बनाया।

केजीएमयू के डॉ. सतीश कुमार को 'ह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड ऑफ द ईयर 2025' से किया गया सम्मानित

यह सम्मान उन्हें रोगी सेवा, चिकित्सा शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया

लखनऊ, 8 सितम्बर 2025: अमेरिकन कॉलेज ऑफ फिजिशियंस इंडिया चैप्टर (क्टअउढ) कॉन्फ्रेंस 2025 के भव्य आयोजन में, प्रतिष्ठित ह्लह्यूमैनिटेरियन अवॉर्ड ऑफ द ईयर 2025ह्व से डॉ. सतीश कुमार को सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें रोगी सेवा, चिकित्सा शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार एसीपी इंडिया चैप्टर की अध्यक्ष डॉ. स्वाति श्रीवास्तव द्वारा प्रदान किया गया। उन्होंने डॉ. सतीश कुमार की मानवता के प्रति गहरी संवेदनशीलता, सेवा भावना और स्वास्थ्य सेवा में उनके उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की।

पिंक सिटी जयपुर में आयोजित इस कॉन्फ्रेंस में देशभर से प्रमुख चिकित्सक, विशेषज्ञ और शिक्षाविद शामिल हुए। सम्मेलन में आधुनिक चिकित्सा की चुनौतियों और नवाचारों पर चर्चा के साथ-साथ समाजहित में असाधारण योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को भी सम्मानित किया गया।

सम्मान प्राप्त करते हुए डॉ. सतीश कुमार ने कहा झ ह्लयह सम्मान केवल मेरा नहीं है, बल्कि मेरे सभी गुरुओं, मार्गदर्शकों, सहकर्मियों और मरीजों का है, जो मुझे सदैव सेवा और करुणा के मार्ग पर प्रेरित करते रहते हैं। इस सम्मान को पाकर मैं स्वयं को अत्यंत विनम्र और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ।ह्व

यह पुरस्कार चिकित्सा सेवा के मानवीय दृष्टिकोण और करुणा पर आधारित चिकित्सा की उस मूल भावना को उजागर करता है, जिसके लिए डॉ. सतीश कुमार सदैव जाने जाते हैं। डॉ सतीश कुमार के इस उपलब्धि पर श्री जय सिंह, आईआईएस, डॉ एम पी सिंह, प्रोफेसर, डॉ एस पी सिंह सहित चिकित्सा जगत के सभी वरिष्ठ विशिष्ट जनो ने बधाई दी है। केजीएमयू में खुशी का माहौल बन हुआ है और बधाईयों का तांता लगा हुआ है।

संतोष कुंजीरमण कला, अभिनय और संस्कृति का अप्रतिम प्रतीक

किसी परिचय के मोहताज नहीं , जनमानस के दिलों में बसते हैं संतोष कुंजीरमण

अनपरा (सोनभद्र)। संतोष कुंजीरमण आज के दौर में सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक जीवंत परंपरा बन चुके हैं। उन्होंने अपनी विशिष्ट कला, सशक्त अभिनय और अद्भुत सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में एक अमिट छाप छोड़ी है।

चाहे वह मंच पर अभिनय हो,वाद्य यंत्रों की प्रस्तुति हो पारंपरिक संगीत हो, एवं किसी सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी संतोष कुंजीरामन की सहभागिता सदैव उल्लेखनीय रही है। दर्शक उनकी प्रस्तुतियों में न केवल मनोरंजन का अनुभव करते हैं, बल्कि उनके अभिनय में छुपे सामाजिक संदेशों से प्रेरणा भी लेते हैं।

संतोष कुंजीरमण सिर्फ कला को जीवित रखा, बल्कि युवा पीढ़ी को भी पारंपरिक सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने में अहम भूमिका निभाई है।

सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक एकता और कला के उत्थान के लिए उनके योगदान को शब्दों में समेटना कठिन है। यही कारण है कि लोग न केवल उन्हें एक कलाकार के रूप में, बल्कि एक संस्कृति-दूत के रूप में मानते हैं।इतना ही नही संतोष कुंजीरमण बहुयामी प्रतिभा के धनी है।उन्होंने 'क्लैप बॉक्स म्यूजिक बैंड रेनुसागर' के नाम से संगीत प्रेमियों के एक समूह के साथ एक संगीत बैंड बनाया है। इसके अलावा, उन्होंने 'जुरासिक वर्ल्ड इन रेनुसागर' नामक डायनासोर पर एक लघु फिल्म बनाई है। यह फिल्म रेनुसागर ऑडिटोरियम में दिखाई गई और दर्शकों द्वारा इसे अच्छी प्रतिक्रिया मिली, और उनकी उत्कृष्ट एनिमेशन प्रभावों के साथ एक शानदार फिल्म बनाने के प्रयासों की प्रशंसा की गई। वह 'संतोष कुंजीरमण ' नाम के तहत कई अनुयायियों वाला एक यूट्यूबर भी है। चैनल स्वयं उसकी बहुमुखी प्रतिभा को दशार्ता है।

'यूपी के मेडिसिन मैन' राजेश सिंह दयाल की सामाजिक पहल:

लखनऊ जेल में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चौहान भी रहे उपस्थित ।

लखनऊ, 8 सितम्बर 2025: समाजसेवा और स्वास्थ्य क्षेत्र में अपने विशेष योगदान के लिए ह्लयूपी के मेडिसिन मैनह्व कहे जाने वाले श्री राजेश सिंह दयाल ने अपने जन्मदिन के अवसर पर एक अनोखी पहल की। उन्होंने राजेश सिंह दयाल फाउंडेशन के माध्यम से आज लखनऊ जेल में कैदियों के लिए एक निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया। शिविर का शुभारंभ माननीय कैबिनेट मंत्री श्री दारा सिंह चौहान जी ने किया। इस अवसर पर डीजी जेल श्री प्रेम चंद मीणा जी और जेल अधीक्षक श्री आर.के. जायसवाल जी भी उपस्थित रहे। इस स्वास्थ्य शिविर में कैदियों को विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा परामर्श, विभिन्न स्वास्थ्य जांच, तथा निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया। साथ ही सभी कैदियों को फल भी वितरित किए गए।

मुख्य अतिथि का वक्तव्य मुख्य अतिथि श्री दारा सिंह चौहान जी ने राजेश सिंह दयाल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा झ ह्लदयाल जी ने अब तक उत्तर प्रदेश के लगभग 2 लाख लोगों को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध कराई हैं तथा 50,000 से अधिक वृद्धजनों की मोतियाबिंद सर्जरी करवा चुके हैं। यह कार्य अत्यंत प्रेरणादायी है।ह्व उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश सरकार जेलों में हेल्थ एटीएम और बेहतर चिकित्सा सुविधाएँ स्थापित करने पर गंभीरता से काम कर रही है। श्री चौहान ने विशेष रूप से यह कहते हुए शुभकामनाएँ दीं कि ह्लदयाल जी ने अपना जन्मदिन कैदियों के बीच मना कर यह सिद्ध किया है कि सच्ची समाजसेवा वही है, जो हर वर्ग तक बिना भेदभाव पहुँचे।ह्व राजेश सिंह दयाल का संकल्प इस अवसर पर श्री राजेश सिंह दयाल ने अपने संबोधन में कहा झ आज का यह मेडिकल कैम्प सिर्फ. दवाइयों और जाँच तक सीमित नहीं है यह एक संदेश है की आप अकेले नहीं हैं समाज ने आपको भुलाया नहीं है और सबसे अहम आप फिर से एक नई शुरूआत कर सकते हैं । अपराध से नफरत हो सकती है, पर इंसान से नहीं । हर इंसान को दूसरा मौका मिलना चाहिए और अगर आप बदलने का संकल्प लें तो दुनिया की कोई ताकत आपको रोक नहीं सकती है । श्री राजेश सिंह ने कहा की यह मेरे जीवन का सबसे विशेष जन्मदिन है क्योंकि मैंने इसे समाज के उस हिस्से के साथ बिताया है, जिनकी तरफ शायद ही कोई ध्यान देता है। मेरा संकल्प है कि आने वाले महीनों में मैं उत्तर प्रदेश की अन्य जेलों में भी इसी प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित करूँगा।ह्व डीजी जेल और जेल अधीक्षक का मत डीजी जेल श्री प्रेम चंद मीणा जी ने कहा कि श्री दयाल का यह प्रयास समाज के प्रति उनकी संवेदनशीलता का प्रमाण है। जेल अधीक्षक श्री आर.के. जायसवाल जी ने कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया और विशेष रूप से उल्लेख किया कि ह्लकैदियों के बीच जन्मदिन मना कर राजेश सिंह दयाल जी ने यह साबित कर दिया है कि उनकी समाजसेवा किसी भेदभाव से परे है और हर वर्ग तक पहुँचने वाली है।

केजीएमयू के पी.एम.आर में फिजियोथेरेपी पर चर्चा हुई -विश्व फिजियोथेरेपी दिवस

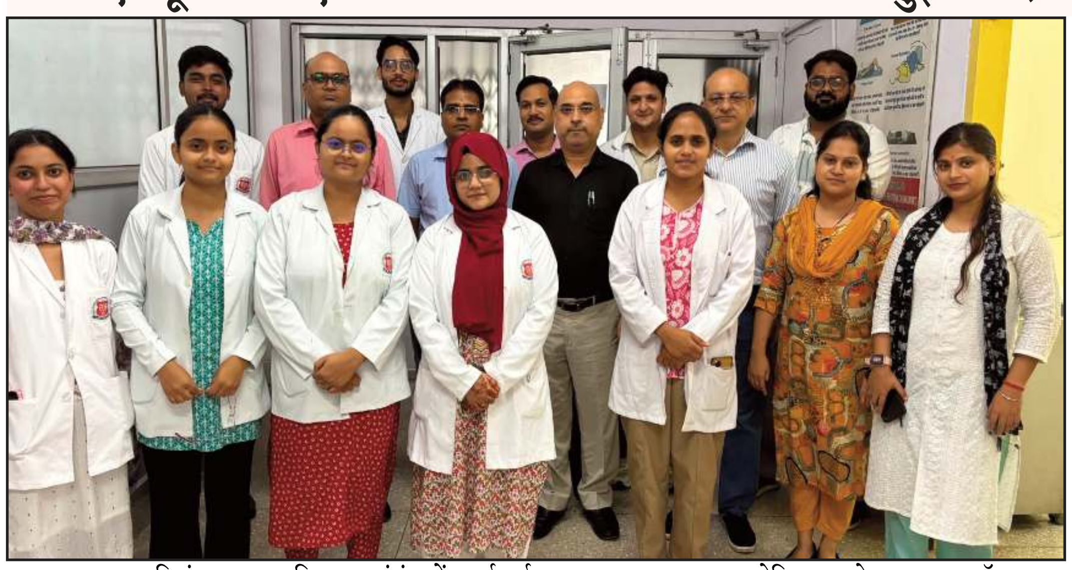

लखनऊ, 8 सितंबर 2025। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर फिजियोथेरेपी यूनिट पी.एम.आर विभाग केजीएमयू में हुए एक समारोह में फिजियोथेरेपी से इलाज की आधुनिक विधाओं व उच्चीकरण के संबंध में चर्चा हुई।

समारोह में फिजियोथेरेपी विधा की अत्याधुनिक विधाओं तथा एडवांसमेन्ट पर डॉ. अरविन्द सोनकर, एसो. प्रोफेसर ने विस्तृत रूप से चर्चा की। प्रोविंशिल फिजियोथेरेपी एसोशिएसन के अध्यक्ष डॉ. अतुल मिश्रा ने आधुनिक परिवेश में चिकित्सा क्षेत्र में फिजियोथेरेपी की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज यह विधा चिकित्सा के हर क्षेत्र में अपनी उपयोगिता को सिद्ध कर चुकी है।

श्री मिश्रा ने विश्व भौतिक चिकित्सा दिवस का इतिहास बताया कि दुनिया में एकमात्र संगठन जो दुनिया के सभी भौतिक चिकित्सक या फिजियोथेरेपिस्ट का प्रतिनिधित्व करता है, वह विश्व भौतिक चिकित्सा परिसंघ है। इसकी स्थापना 8 सितंबर 1951 को हुई थी और इसे आमतौर पर वर्ल्ड फिजियोथेरेपी दिवस कहा जाता है। इस महत्वपूर्ण संगठन के ऐतिहासिक गठन को मनाने के लिए विश्व भौतिक चिकित्सा दिवस की आधिकारिक घोषणा 8 सितंबर 1996 को की गई थी।

इस अवसर पर डॉ. मंसूर , डॉ. मनमोहन , डॉ. मानवेन्द्र सिंह, डॉ. प्रणय सिंह, डॉ. रविन्द्र गौतम, डा. श्रद्धा वर्मा , डॉ. हर्षिका श्रीवास्तव, डॉ. आकांक्षा सहित अन्य फिजियोथेरेपिस्ट उपस्थित थे।

लूट मामले में पुलिस की कार्यशैली पर उठे सवाल

"मंगलसूत्र मिलने का झूठा दावा "दबाव में पुलिस ने महिला से कराया अंगूठा निशान

खखरेरू फतेहपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को एक महिला के साथ अज्ञात बाइक सवार लुटेरों ने दिनदहाड़े खेत से पशुओं का चारा लेने गई बोंझ उठाने के बहाने महिला का मंगलसूत्र लेकर बाइक से बदमाश फरार हो गए थे जिसकी जानकारी महिला के द्वारा अपने परिजनों सहित स्थानीय पुलिस को लिखित तहरीर देकर अध्यक्ष लुटेरों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की थी

पौली गांव की रहने वाली गीता देवी पत्नी राजेंद्र प्रसाद शनिवार को सुबह लगभग 10:00 बजे पशुओं को चारा लेने के लिए खेतों की तरफ गई हुई थी वहां पर चारा काटने के बाद बोझ का वजन ज्यादा होने के कारण महिला मदद के लिए दूसरी तरफ चार काट रहे देवरानी को बुलाने के लिए जा रही थी तभी पहले से सड़क पर खड़े बाइक सवार बदमाशों में से एक युवक बोझ उठाने की बात कह कर महिला के साथ खेत पर पहुंचकर बोझ उठा दिया जब महिला घर की तरफ चलने लगी तो युवक पीछे से गले में पड़ा मंगलसूत्र छीन कर बाइक में बैठकर खागा की तरफ फरार हो गए लूट की शिकार महिला ने बताया कि लूट के दूसरे दिन शाम के समय हल्का इंचार्ज मेरे पास पहुंचे और मेरा अंगूठा निशान एक कागज में ले लिया उनके द्वारा एक वीडियो बनाया गया जिसमें महिला को पहले से बताया गया की आप वीडियो में यह बोले की चारा उठते समय बोझ से फंसकर मेरा मंगलसूत्र खेत में गिर गया था जिसको बाद में ढूंढने के बाद मुझे मिल गया हल्का इंचार्ज साहब ने महिला से कहा कि यह बात आसपास के लोगों एवं प्रशासन के लोगों को मंगलसूत्र मिलने की बात ही बताएं महिला ने एक वीडियो बयान जारी करके पूरे मामले को उजागर किया

पुलिस की इस प्रकार की कार्यशैली से क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश एवं भय का माहौल व्याप्त है जहां एक तरफ पुलिस अज्ञात बाइक सवारों लुटेरे को पकड़ने से कोसों दूर है वहीं दूसरी तरफ पुलिस पूरे लूट के मामले को लीपापोती करने में लगी हुई है।

सुनिता आहूजा ने अफवाहों पर तोड़ी चुप्पी; कलर्स के 'पति पत्नी और पंगा' में गोविंदा संग अपनी ज़िंदगी का सच साझा किया

अपनी बेबाकी, संक्रामक हंसी और हमेशा सटीक पंचलाइनों के लिए इंटरनेट पर प्रिय, सुनिता आहूजा हमेशा अपनी बात अपने खास बिंदास अंदाज में कहती आई हैं। बार-बार उन्होंने यह साबित किया है कि शोर-शराबे से ऊपर उठकर गरिमा, हिम्मत और हास्य के सही मिश्रण से कैसे जवाब देना है।

कलर्स के ह्यपति पत्नी और पंगा झ जोड़ियों का रियलिटी चेकह्न में सुनिता आहूजा विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं और अपने इर्द-गिर्द फैली अफवाहों पर निर्णायक रूप से बात की। शादीशुदा ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव और मजेदार पलों को दशार्ने वाले इस शो में उनका निजी जीवन चर्चा का विषय बनना स्वाभाविक था। अपने अंदाज के मुताबिक, सुनिता ने बेबाक और निडर जवाब देकर सारी चचाओं का सामना किया।

हालिया उपस्थिति के दौरान सुनिता ने कहा, ह्लक्या चालीस साल मामूली होते हैं काटना? हर इंसान गलती करता है, पर हर चीज की एक उम्र होती है। जब 62 साल की उम्र में बच्चे इतने बड़े-बड़े हो जाएं, तो इंसान गलती कैसे कर सकता है?ह्व

पूरी कहानी जानने के इच्छुक हैं? तो देखिए ह्यपति पत्नी और पंगाह्न का वीकेंड एपिसोड और सुनिए सुनिता आहूजा का कबूलनामा।

निविया बॉडी मिल्क प्रस्तुत करता है ह्यपति पत्नी और पंगा झ जोड़ों का रियलिटी चेकह्न, को-पॉवर्ड बाय शुगर फ्री ग्रीन, राजधानी बेसन, कैडबरी डेयरी मिल्क, पोअर होम एयर फ्रेशनर्स, एन्वी परफ्यूम्स और लॉरियल पेरिस हायलूरॉन प्योर, स्पेशल पार्टनर्सझ कोलगेट और कैच मसाले। यह शो देखिए हर शनिवार और रविवार रात 9:30 बजे, केवल कलर्स पर।